

हिन्दी भाषा के २०३ पाठ - १

भाषा कोली लिखित भाषा के २०३

मात्रा

लिप्यारों को आदान-प्रदान

ग्राहिक

लिखित

मात्रा के लिए मात्रा

भाषा १६७ भाषा व्यालु में बना होता है, जिसका अर्थ होता है ~~प्र०~~ बोलना।

मात्रा की आवश्यकता

भाषा हमारी जिसका लिखित लिप्यारों में सहायता सिद्ध होती है।

१. जो चाहे
२. अपना करने
३. वार्ता भाषा करने गा बोलने
४. व्याक तथा वस्तुओं को पढ़ाने व समझाने
५. लिखित व्याक वस्तु को बताने व बोल करने के लिये १६७ की आवश्यकता पड़ती है। १६७ भाषा की इकाई है। और भाषा वह माद्यम है, जो हमारे चिंतण करने समझाने, पढ़ने तथा लिखने में सहायता देती है।
६. भाषा के शब्द

मात्रिक → मुँह से बोली जाने वाली भाषा

उद्दीप्तरों → वात चीत, भाषा,

वाविवाह, झुनझा

⇒

लिखित → वह भाषा प्रिंजर्से हम पढ़कर उसे समझ कर एक दूसरे के प्रिंचारों द्वारा माना जाता समझते हैं।

उदाहरण - पत्र लिखना व पढ़ना;

पुस्तक पढ़ना;

वह भाषा जो स्थानीय रूप से लिखा है।

सांकेतिक भाषा

→ प्रिंचारों को संकेत द्वारा लिखते करते हैं। उदाहरण का अन्यथा मातृभाषा परिवार में सीखने पर बोली जाने वाली भाषा। यह व्याकृत सदैसे पहले सीखता है।

राजभाषा

देश के राजियों द्वारा स्वीकार की गई भाषा राजभाषा कहलाती है। 1947 की हिन्दी भाषा को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार था।

इसलिये आप सितंबर को हिन्दी दिवस मनाते होते हैं।

बोली - किसी भविष्य क्षेत्र में स्थानीय जो जाने वाली मौखिक भाषा का स्थानीय रूप बोली होता है।

बोली को क्षेत्र सीमित होता है। इसे प्रोत्तमें अनेक बोली प्रचलित होती है।

उदाहरण : उत्तर प्रदेश में उत्तरी, ओडिशा में मध्यप्रदेश में - यूडी बोली, बुद्धी, बोली मालवी, छत्तीसगढ़ी, आदि बोली होती है।

बोली आठ बोलियों बोली होती है।

भारत में लगभग 300 मौखिक प्रभाषण बहुत

- भाष्टीय संविधान में 22 आठांश को मान्यता प्राप्त है।

लिपि (script)

मौरिख के उपनियाँ को लिखकर प्रकट करने के लिये जिन चीजों का प्रयोग किया जाता है उसे लिपि कहते हैं।

आठांश

लिपि

संस्कृत

देवनागरी

हिन्दी

देवनागरी

ओरुणी

रोमान

पंजाबी

हिन्दूमुखी

3

फारसी

"भाषा मौरिख की ओर लिखित - दोनों रूपों में विचारों को प्रकट करती है, जबकि लिपि के कुल मौरिख के उपनियों से ही लिखने का माध्यम है।"

वर्णसामान्य व्याकुण्ठसामान्य पद्धतिसामान्य वाक्यसामान्य

आठांश - वह शास्त्र है, जो भाषा का

विश्लेषण करके उसके स्वरूप से प्रकट करता है। भाषा की शुद्धि १९५८ में पढ़ने समझाने वाले ने उसे लिखने की लिपि सिर्वलाता है।

आठांश वह शास्त्र है, जिसके अध्ययन द्वारा हम किसी भाषा को उत्कृष्ट भाव प्राप्त कर सकते हैं तथा उस भाषा का प्रयोग में क्षमता प्राप्त कर सकते हैं।

ગુરી પણ્યાં -

विचार के अन्तर्गत विचार - विचार के अन्तर्गत विचार
स्वरूप, भेद, आकार, त्रिविति
आदि पर विचार किया जाता है।

१९६७ फरवार

दूसरे अन्तीगत २१८५-२१९०५,
अं७, लंका७, लिंग, वचन, काल, अनुपति ए
विचार किया जाता है।

3) पृष्ठा विचार

3) पुरावाह कुसे अन्तिम पद, जैसे कुंडा लय एवं आगि का अद्ययन होता है

ଲୋକାନ୍ତର ମିଟାର

वाक्य विश्लेषण करने का अन्तिगत बाह्य रूप है।
वाक्य विश्लेषण, भेद, विराम-द्वयने
अद्वितीय विश्लेषण करना जाता है।
आओ अध्ययन करें।

त्रिशन आधा की परिभाषा लिखो।

ઠતર માઘ →

માંધા → માંધા વહે રોગદારુમાં માંદરમણ
નિખસોકે હોરા અન્યથા કોણકર માં
લિખવકર અપને નિવચારા કો ફુસરા પર
મરુલતા, રફટલતા, વિસ્તાર તથા
પૂરીતા એવાત્ત કર અનુભૂતા
ડિઝો રદદી, અંન્દોળી, રદ્દી, પારસી,
તામાલ, અંજાદી, હુયરાતી, આદી,

प्र० १ मातृा के लिए भवित्व होते हैं।

प्र० २ मातृा के लोकप्रिय होते हैं।

(१) मौरिषक -

मुझ से कौली जाने वाली तथा कानों
में सूखी जाने वाली मातृा मौरिषक या कथित
आया कहलाती है।

३५० मांधारा, वादेविवाद आदि।

(२) लिलिखित

वह मातृा जिसे पर लिलिखित अ०
पढ़कर अपने मन के विचारों और भावों
को समझाते और समझाते हैं, लिलिखित मातृा
कहलाती है।

३६० पत्न, पुस्तक,

३७०

साकेतिक मातृा

इसमें विचारों को संकेतों के
माध्यम से प्रकट किया जाता है।

३८० किंकर का अन्याय।

प्रश्न मातृ आया किया होती है।

उत्तर उच्चार ना और परिवार से जो मातृा सीखती
है, वह मातृ आया कहलाती है। यह वह
आया है, जो व्यक्ति सबसे पहले अपने
पर से सीखता है, इसे समझाना कहुते
आसान है।

प्रश्न लिपि किसे कहते हैं?

उत्तर

किसी अभिभावक के लिए जिन चिन्हों
का प्रयोग किया जाता है उसे लिपि कहते हैं।

3710 हिन्दी - देवनागरी

पंजाबी - हुँसमुरवी

आंगूज - रोमन आंगूज

रिपोर्ट शास्त्रों की पूर्ण कीपिंग।

1. शाष्का द्वारा हम — प्रकाश करते हैं - भाषाओं
2. बोल कर शाब्द प्रकाश करना - भाषा होती है - मीडियम
3. बचपन में सीखी हाई शाब्द — शाष्का कहलाती है - मातृ
4. डोकरों को — शब्द है - लीन.
5. भारत में — भाषाओं को मान्यता प्राप्त है - 22 (वाइफ)

सही/गलत

1. पंच लिखना मौखिक भाषा है X
2. बिसरी को आवाज देना सांकेतिक भाषा है X
3. बी - रान व्याकरण को उँगा है ✓
4. भाषा के लिखने के दृग को लिख कहते हैं ✓
5. भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है ✓

निम्न लिखित में कोन सी भाषा के एप का प्रयोग किया जाता है?

1. घोड़ का हिन्दूहिनाना — मौखिक
2. मां को पता लिखना — लिखित
3. हेली फोन पर बात करना - मौखिक
4. उद्योगपति पर लिखेना - लिखित
5. प्रक्षेपों का चहचहाना - मौखिक

संक्षी प्राकृत्य

- 1. गैंडी की लिपि है
देवनागरी
 - 2. आपा को रख लोते हैं।
दी
 - 3. निरावने की लिपि को लहते हैं।
लिपि
 - 4. आपा को शुद्ध स्प में लोला जा लिखा जा सकता है
स्प्रिंगरी छारा
 - 5. पा रसी बंडा है।
लिपि

H.W. -

- प्र.१ निम्नलिखी दर्श आपात्कालों के नाम व लिपि लिखें ।
 प्र.२ अंकित्यान छारा मान्यता प्राप्त आपात्कालों को लिखें ।